



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 493]

No. 493]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 2, 1981/कार्तिक 11, 1903

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 2, 1981/KARTIKA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती हैं जिसमें इस असाधारण खण्ड के लिए यह जासके सल्ले
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 2 नवम्बर 1981

का० ४० ७८३ (अ)/१८ अब/जाई दी जाए ए/ ८१—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश मा० सा० का० ७६७(भ)। तारीख 23 अक्टूबर, 1981 द्वारा उद्योग (विकास और विनियोग) अधिनियम, 1951 (1951 या 65) की घारा 18कक की उपचारा (1) के खण्ड (ब) के अधीन जो वैमस सोहिती मिल्स लिमिटेड, बेलखरिया, पश्चिम बंगाल नामक मंगूँ भौद्योगिक उपकरण है (जिसे इसके पश्चात् उक्त भौद्योगिक उपकरण कहा गया है) का प्रबंध प्रहृण उक्त आवेदन के गजपत में प्रकाशन की तारीख से ही प्रारम्भ होने वाली बीस दिन की अवधि के लिए किया गया है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त भौद्योगिक उपकरण के सम्बन्ध में यह समाधान हो गया है कि अनुसूचित उद्योग प्रबंध सूती ईम्सटाइल उद्योग में उत्पादन की मात्रा में गिरावट को रोकने की दृष्टि से सोक्रित में ऐसा करना प्रायःप्रयक्त है,

अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की घारा 18 अब की उपचारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह धोपण करती है कि इस आवेदन के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रबृत्त मध्यम संविदाओं, मम्पसि के हस्तान्तरण पत्रों करारो, व्यवस्थापनो, पंचांगों

स्थायी प्रादेशों या अन्य निवितों का (उनसे भिन्न जो वैकं और वित्ती संस्थाओं के प्रत्याभूत वायित्वों से सम्बन्धित है) जिनका उक्त भौद्योगिक उपकरण एक पक्षकार है या जो उक्त भौद्योगिक उपकरण को लागू हो, प्रवर्तन 21 नवम्बर, 1981 जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी आती है की अवधि के लिए लंबित बना रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके प्रधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और वायित्व उक्त 21 नवम्बर, 1981 जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, तक के लिए लंबित बने रहेंगे।

[का० सं. 3/5/81-सी०य०एस०]]

चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 2nd November, 1981

ORDER

S.O. 783(E)/18FB/IDRA/81—Whereas, by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 767(E) dated the 23rd October, 1981, the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Ltd., Belgharia, West Bengal (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of thirty days commencing on and from the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in the scheduled industry, namely the cotton textiles industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order

(other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto and inclusive of 21st November, 1981, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto and inclusive of 21st November, 1981."

[F. No. 3(5)[81-Cus]

C. K. MODI, Lt. Secy.